StarzSpeak

Navgraha Aarti

आरती श्री नवग्रहों की कीजै,
कष्ट,रोग,हर लीजै ।

सूर्य तेज़ व्यापे जीवन भर
जाकी कृपा कबहु नहिं छीजै।

॥ आरती श्री नवग्रहों की कीजै ॥

रूप चंद्र शीतलता लायें
शांति स्नेह सरस रसु भीजै।

॥ आरती श्री नवग्रहों की कीजै ॥

मंगल हरे अमंगल सारा
सौम्य सुधा रस अमृत पीजै ।

॥ आरती श्री नवग्रहों की कीजै ॥

बुद्ध सदा वैभव यश लीये.
सुख सम्पति लक्ष्मी पसीजै।

॥ आरती श्री नवग्रहों की कीजै ॥

विद्या बुद्धि ज्ञान गुरु से ले लो
प्रगति सदा मानव पै रीझो।

॥ आरती श्री नवग्रहों की कीजै ॥

शुक्र तर्क विज्ञान बढावै
देश धर्म सेवा यश लीजै ।

॥ आरती श्री नवग्रहों की कीजै ॥

न्यायधीश शनि अति ज्यारे
जप तप श्रद्धा शनि को दीजै ।

॥ आरती श्री नवग्रहों की कीजै ॥

राहु मन का भरम हरावे
साथ न कबहु कुकर्म न दीजै ।

॥ आरती श्री नवग्रहों की कीजै ॥

स्वास्थ्य उत्तम केतु राखै
पराधीनता मनहित खीजै ।

॥ आरती श्री नवग्रहों की कीजै ॥
॥ इति श्री नवग्रह आरती ॥